विश्व न्याय मन्दिर

रिज़वान 2009

विश्व के बहाईयों को

प्रिय मित्रगण,

केवल तीन साल पहले हमने बहाई जगत के सामने एक कार्य-योजना की रूपरेखा विकसित करने की चुनौती रखी थी, जो पिछली विश्वव्यापी योजना के समापन के समय इतने साफ़तौर पर उभर कर सामने आई। जैसी हमने उम्मीद की थी, अनुकूल प्रतिक्रिया तत्काल मिली थी। अत्यन्त उत्साह के साथ दुनिया के 1500 क्लस्टरों में विकास के सघन कार्यक्रम शुरू करने के लक्ष्य को पाने की कोशिश में मित्रगण जुट गये थे। ऐसे कार्यक्रमों की संख्या शीघ्र ही बढ़ने लगी। लेकिन तब कोई यह सोच भी नहीं सकता था कि कितनी गम्भीरता के साथ आतिथेय के स्वामी अपनी अबोधगम्य प्रज्ञा से इतने कम समय में अपने समुदाय का कायाकल्प कर देना चाहते थे। कितना दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वासी था वह समुदाय जिसने वर्तमान योजना के मध्यकाल में दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इकतालीस क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन कर अपनी उपलब्धियों की खुशियाँ मनाईं। इसकी एकजुटता और शक्ति ने उत्तरोत्तर बढ़ रहे संकट से घिरी किंकर्तव्यविमूढ़ और भ्रमित दुनिया से अलग कैसी असाधारण तस्वीर पेश की। सच, यही आनन्द से भरा वह समुदाय था जिसकी चर्चा धर्मसंरक्षक ने की थी। यही वह समुदाय था जो जानता था कि उसके अन्दर कैसी सम्भावनाएँ छिपी पड़ी हैं और अपनी उस भूमिका के प्रति सजग था जो उसे बिखरी पड़ी दुनिया के पुनर्निर्माण के लिये निभानी थी। यही वह समुदाय था जो उभर कर सामने आ रहा था, दुनिया के एक हिस्से में कठोर दमन का शिकार होते हुए भी, विचलित और हतोत्साहित हुए बगैर, सर्वाधिक कष्टदायक उत्पीड़न और दासता से मानवजाति को छुटकारा दिलाने के बहाउल्लाह के उद्देश्य को पाने के लिये एकजुट हो अपनी क्षमताएँ और शक्ति बटोरता हुआ। और इन सम्मेलनों के लगभग अस्सी हजार प्रतिभागियों के बीच से उभरते हुए ऐतिहासिक दृश्य में हमने उस अनुयायी को देखा जो योजना की कार्यविधि और काम में लाये जा रहे साधनों के प्रभाव के प्रति पूरी तरह से आश्वस्त है और उन्हें सम्हाल पाने में सक्षम भी है। इस विशाल सागर का प्रत्येक व्यक्ति बहाउल्लाह के इस आश्वासन का प्रमाण है कि उन सब को उसकी सहायता मिलेगी जो पूरी अनासक्ति और ईमानदारी के साथ उसकी सेवा में उठ खड़े होंगे। प्रत्येक ने मानव की उस नस्ल की एक झाँकी प्रस्तुत की जो परिवर्तन के पवित्र उद्देश्य के प्रति प्रतिबद्ध है, उत्साह से भरा है, पवित्र और दोषमुक्त है और जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी बहाउल्लाह के प्रकटीकरण के सीधे प्रभाव के अधीन उभर कर दुनिया के सामने आयेगी। उनमें हमने अपनी फलीभूत होती आशा की पहली किरण देखी, जो आशा हमने योजना

के आरम्भ में की थी कि प्रभुधर्म के प्रभावी आध्यात्मिक विकास का अनुकरणीय उदाहरण संस्थान प्रक्रिया के माध्यम से सैकड़ों हजारों लोगों के बीच होगा। इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि रिज़वान के अन्त तक पूरी दुनिया में विकास के सघन कार्यक्रमों की संख्या 1000 के आंकड़े को पार कर जायेगी। इस सर्वाधिक आनन्द के उत्सव के पहले दिन इससे अधिक, हम और क्या कर सकते हैं कि विनम्रता के साथ ईश्वर के समक्ष नतमस्तक हो, सर्वमहान नाम के समुदाय के प्रति असीम उदारता के लिये हम धन्यवाद अर्पित करें।

-विश्व न्याय मन्दिर